a2zpapers.com

Exam. Code : 216301
Subject Code : 5940

M.A. (Hindi) Semester—I

ADHUNIK HINDI KAVYA

Paper—I

Time Allowed—3 Hours] [Maximum Marks—80

1. निम्नलिखित पद्यांशों में से किन्हीं **चार** की सप्रसंग व्याख्या करें :- 4×6=24

(क) निरख सखी, ये खंजन आये,
फेरे उन मेरे रंजन ने नयन इधर मन भाये।
फैला उनके तन का आतप, मन ने सर सरसाये,
धूमे वे इस ओर वहाँ, ये हंस यहा उड़ छाये।

(ख) दीपक के जलने में आली,
फिर भी है जीवन की लाली
किन्तु पतंग-भाग्य-लिपि काली,
किसका वश चलता है ?
दोनों ओर प्रेम पलता है।

(ग) पुरातनता का यह निर्मोक सहन करती न प्रकृति पल एक,
नित्य नूतनता का आनंद किये है परिवर्तन में टेक।

(घ) समरस थे जड़ या चेतन सुंदर साकार बना था,
चेतनता एक विललती आनंद अखंड घना था।

(ङ) "अबे, सुन बे, गुलाब,
भूल मत जो पाई खुशबू रंगों आब
खूना चूसा खाद का तूने अशिष्ट
डाल पर इतराता है केपीटलिस्ट

www.a2zpapers.com
a2zpapers.com

a2zpapers.com

(च) सोचा मन में हत बार-बार
"ये कान्यकुबज-कुल कुलांगार
खाकर पत्तल में कर छेद
इनके कर कन्या, अर्थ खेद
इस विषम बेलि में विष ही फल,
यह दग्ध मरुस्थल-नहीं सुजल।

2. निम्नलिखित लघु प्रश्नों में से किन्हीं **चार** के उत्तर लिखे :- 4×6=24

(i) 'साकेत' के प्रतिपाद्य को स्पष्ट करें।

(ii) 'लज्जा' को कवि किस प्रकार व्याख्यायित करता है ?

(iii) श्रद्धा किस प्रकार का मानसिक भाव है ?

(iv) 'मुक्तछन्द' का अभिप्राय स्पष्ट करें।

(v) 'बांधों न नांव इस ठांव बन्धु' – कविता का उद्देश्य क्या है ?

(vi) अयोध्या सिंह उपाध्याय हरिऔध का सामान्य परिचय दें।

3. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर विस्तारपूर्वक दें :- 2×16=32

(i) साकेत के सांस्कृतिक आधार और युगीन आदर्शों पर विचार करें।

(ii) कामायनी के महाकाव्यत्व की विवेचना करें।

(iii) निराला की काव्य विकास यात्रा के विभिन्न चरणों पर प्रकाश डालिए।

www.a2zpapers.com
a2zpapers.com